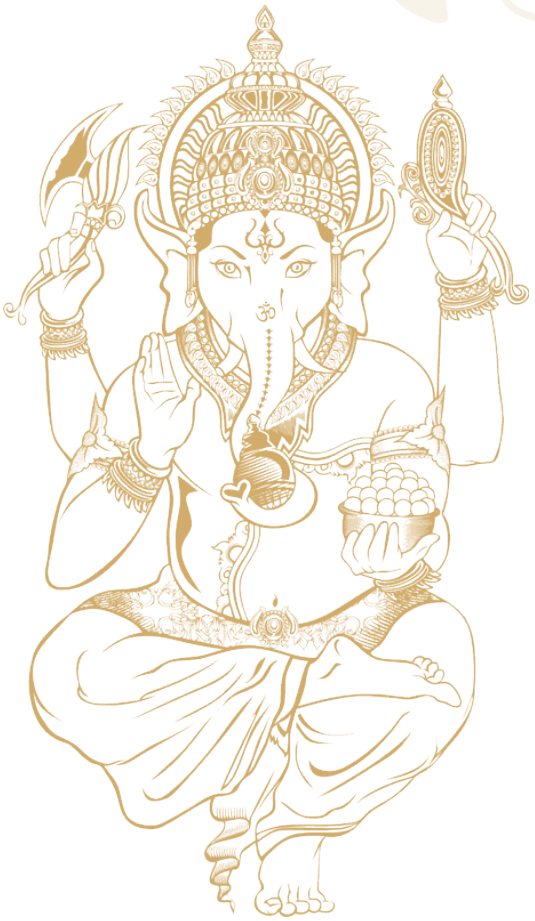

Mr.

10 Dec 2025

06:29 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120488302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**9-10/12/2025**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**06:29:00 घंटे**
इष्ट	58:35:50 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:07:52 घंटे
वेलान्तर	00:07:39 घंटे
साम्पातिक काल	11:23:56 घंटे
सूर्योदय	07:02:39 घंटे
सूर्यास्त	17:24:31 घंटे
दिनमान	10:21:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	23:59:27 वृश्चिक
लग्न के अंश	15:41:49 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वैधृति
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मा-माणिक
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ज्योतिर्विदाचार्य शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	15:41:49	310:42:22	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
सूर्य			वृश्चि	23:59:27	01:00:57	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	02:16:51	13:17:25	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल		अ	धनु	01:48:52	00:44:58	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	मित्र राशि
बुध			वृश्चि	03:31:09	01:08:27	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	सम राशि
गुरु	व		मिथु	29:37:23	00:05:21	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	17:20:53	01:15:29	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	सम राशि
शनि			मीन	01:03:50	00:01:17	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु	व		कुंभ	18:51:48	00:01:15	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	18:51:48	00:01:15	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	04:28:09	00:02:19	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप	व		मीन	05:09:07	00:00:01	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	07:53:27	00:01:29	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			सिंह	25:58:07	--	पू०फाल्गुनी	--	11	सूर्य	शुक्र	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:15

लग्न-चलित

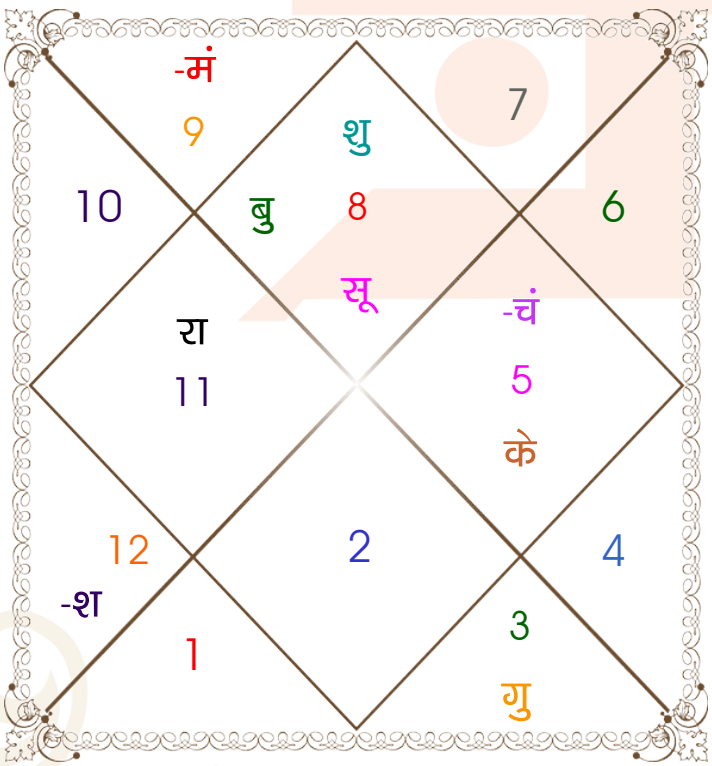

चन्द्र कुंडली

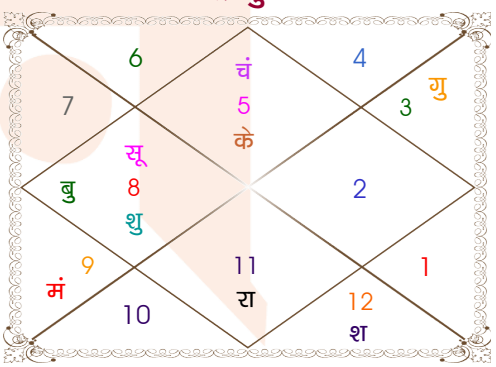

नवमांश कुंडली

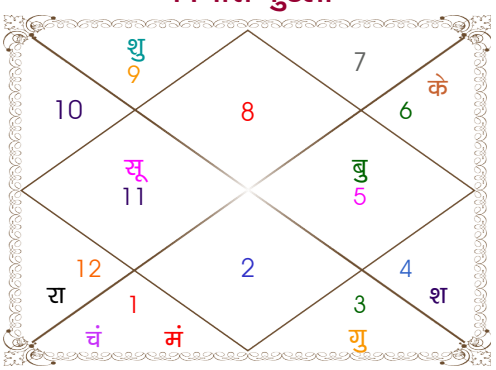

ज्योतिर्विदाचार्य शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 9 मास 19 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
10/12/2025		29/09/2031		29/09/2051		29/09/2057		29/09/2067	
29/09/2031		29/09/2051		29/09/2057		29/09/2067		29/09/2074	
	10/12/2025	शुक्र	29/01/2035	सूर्य	17/01/2052	चंद्र	30/07/2058	मंगल	25/02/2068
शुक्र	27/04/2026	सूर्य	29/01/2036	चंद्र	17/07/2052	मंगल	28/02/2059	राहु	15/03/2069
सूर्य	01/09/2026	चंद्र	29/09/2037	मंगल	22/11/2052	राहु	29/08/2060	गुरु	19/02/2070
चंद्र	03/04/2027	मंगल	29/11/2038	राहु	17/10/2053	गुरु	29/12/2061	शनि	31/03/2071
मंगल	30/08/2027	राहु	29/11/2041	गुरु	05/08/2054	शनि	30/07/2063	बुध	27/03/2072
राहु	16/09/2028	गुरु	30/07/2044	शनि	18/07/2055	बुध	29/12/2064	केतु	23/08/2072
गुरु	23/08/2029	शनि	29/09/2047	बुध	24/05/2056	केतु	30/07/2065	शुक्र	23/10/2073
शनि	02/10/2030	बुध	30/07/2050	केतु	28/09/2056	शुक्र	31/03/2067	सूर्य	28/02/2074
बुध	29/09/2031	केतु	29/09/2051	शुक्र	29/09/2057	सूर्य	29/09/2067	चंद्र	29/09/2074

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
29/09/2074		28/09/2092		29/09/2108		30/09/2127		29/09/2144	
28/09/2092		29/09/2108		30/09/2127		29/09/2144		00/00/0000	
राहु	11/06/2077	गुरु	17/11/2094	शनि	03/10/2111	बुध	26/02/2130	केतु	26/02/2145
गुरु	05/11/2079	शनि	30/05/2097	बुध	12/06/2114	केतु	23/02/2131	शुक्र	11/12/2145
शनि	11/09/2082	बुध	05/09/2099	केतु	22/07/2115	शुक्र	24/12/2133		00/00/0000
बुध	30/03/2085	केतु	12/08/2100	शुक्र	21/09/2118	सूर्य	30/10/2134		00/00/0000
केतु	18/04/2086	शुक्र	13/04/2103	सूर्य	03/09/2119	चंद्र	31/03/2136		00/00/0000
शुक्र	17/04/2089	सूर्य	30/01/2104	चंद्र	03/04/2121	मंगल	28/03/2137		00/00/0000
सूर्य	12/03/2090	चंद्र	31/05/2105	मंगल	13/05/2122	राहु	15/10/2139		00/00/0000
चंद्र	11/09/2091	मंगल	07/05/2106	राहु	19/03/2125	गुरु	20/01/2142		00/00/0000
मंगल	28/09/2092	राहु	29/09/2108	गुरु	30/09/2127	शनि	29/09/2144		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 9 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

ज्योतिर्विदाचार्य शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म अनुराधा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल हुआ था। जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर वृश्चिक नवमांश के साथ-साथ मीन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक आकृति से यह दृश्य हो रहा है कि आप संभाव्य वैदेशिक यात्राओं सहित धन से आनंदित होकर संसारिक सुखों एवं आनन्ददायक उत्तम प्रकार का जीवन व्यतीत करेंगे। परंतु आपको एक पूर्व सूचना दी जाती है कि आपको छोटे-मोटे रूप से उछल कूद के परिणामस्वरूप हल्की मरहम पट्टी की आवश्यकता पड़ती रहेगी। अतः आप सावधानी पूर्वक अपनी दैनिक गतिविधियां रखें। अन्यथा आप के पैर में चोट, दर्द या मोच संबंधी रोग से ग्रसित हो सकते हैं। अतएव आप गाड़ी चलाते समय तथा रोड पार करते समय सावधानी बरतें। अन्यथा कोई दुर्घटना की भी आशंका बनती है।

सामान्यतः आप उत्तम शारीरिक स्वास्थ्य से आनंदित रहेंगे। परंतु वृश्चिक राशीय बिंदु से यह संभाव्य है कि आप प्रजनन संबंधी इंद्रिय रोग से संबंधित हो सकते हैं अथवा मस्तिष्क संबंधी रोग का प्रकोप भी आप पर पड़ सकता है। अतः आप समय-समय पर परिवारिक चिकित्सक से स्वास्थ्य संबंधी परीक्षण कराते रहे।

आप एक आश्चर्यजनक शक्ति से संपन्न प्राणी है तथा आप किसी भी कार्य व्यवसाय में किस प्रकार सफल हो सकते हैं, इस संबंध में आश्वस्त हैं। आप में अतिशय प्रवीनता विद्य मान हैं आप में ईश्वरीय वरदान है कि आप जन सामान्य से बातचीत करके उन्हें विश्वास-पात्र बना लेते हैं। आपके हृदय में विभिन्न प्रकार के उपचार की पद्धतियाँ विद्यमान है। आप अपने सामर्थ्य के अनुसार अन्य से सुरक्षित अपनी योजना का संपादन धीरे-धीरे कराते हैं। परंतु आप व्यवहारिता के दृष्टिकोण सच्चे अर्थों में आलसी प्रवृति के प्राणी हैं।

व्यक्तिगत रूप से आपके स्वभाव के अनुकूल कार्य-व्यवसाय हेतु कृषि कार्य एवं कृषि उत्पादन, आयल इंजिन का कार्य अथवा माइंस का कार्य उत्तम प्रतीत होता है। यदि आपकी अभिलाषा हो तो आप अभिनय कार्य व्यवसाय में भी सफल हो सकते हैं। आप यह अच्छी प्रकार जानते हैं कि किसके साथ किस प्रकार मिथ्याचरण करना चाहिए।

आप अपने परिवारिक विषयों पर यथेष्ठ समय का सदुपयोग करेंगे। आप अपने समय को शांतिपूर्वक, सुव्यवस्थित, सुखदायक वातावरण के अनुकूल बिताना चाहते है।

आप अपनी पत्नी एवं बच्चों के समय को प्रीति पूर्वक बिताने के लिए आरामदायक सभी व्यवस्था करेंगे।

आप अपने वैवाहिक जीवन को तुलनात्मक रखने के लिए अपने जीवन संगिनी का चयन हेतु उन राशि की कन्याओं को देखें जिसका जन्म वृश्चिक, मीन, कर्क, वृष, मकर अथवा कन्या राशि में हुआ हो।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक व्यवहार के लिए अनुकूल हैं। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग उपयुक्त एवं अच्छा रंग है। परंतु आपको किसी भी दशा में सफेद रंग, नीला एवं हरा रंग त्याज्य है।

ज्योतिर्विदाचार्य शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com